वाट्सऐप @ 94140-78380, 92140-78380 | वर्ष :3 अंक : 297 | शनिवार 24 फरवरी 2024 | दैनिक ई-पेपर

शाबाश इंडिया

@ShabaasIndia | प्लॉट नंबर 8, ओझा जी का बाग, गांधी नगर मोड, टोंक रोड, जयपुर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का लखनऊ दौरा

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने किए ललिता देवी मंदिर में दर्शन

जयपुर. शाबाश इंडिया। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शुक्रवार को उत्तरप्रदेश के सीतापुर में नैमिषारण्य स्थित 108 शक्तिपीठों में शामिल ललिता देवी मंदिर पहुंचे। शर्मा ने मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर देश-प्रदेश की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर राजस्थान के संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल सहित उत्तर प्रदेश के स्थानीय जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

फूड यूनिट लगाने पर मिलेगा 10 लाख तक का अनुदान

जयपुर. कासं। राजस्थान की योजना के तहत फूड यूनिट लगाने पर 90 प्रतिशत ऋण मिलेगा। साथ ही 10 लाख रुपए का अनुदान दिया जा रहा है। प्रमुख शासन सचिव, कृषि एवं उद्यानिकी वैभव गालरिया की अध्यक्षता में पंत कृषि भवन में प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना की बैठक राज्य के प्रमुख बैंकों के स्टेट हैड के साथ आयोजित की गई। प्रमुख शासन सचिव द्वारा बैंक अधिकारियों को इस योजना के प्रति संवेदनशील रहते हुए योजना के लक्ष्य अर्जित करने के लिए निर्देशित किया गया। वैभव गालरिया ने बताया कि योजना का उद्देश्य खाद्य से सम्बन्धित योजना में अनुदान प्रदान कर इकाईयों को बढ़ावा देना है। उल्लेखनीय है कि आटा मील, दाल मील, प्रोसेसिंग यूनिट, ग्रेडिंग क्लिनिंग यूनिट, आचार व पापड़ के उद्योग, दूध व खाद्य पदार्थों से सम्बन्धित इकाईयों के लिए इस योजना में अनुदान दिया जा रहा है।

देसी-विदेशी फूलों के बीच विराजे श्रीकृष्ण-बलराम, एक झलक पाने को आतुर दिखे भक्त

जयपुर. शाबाश इंडिया

रंग-बिरंगे फूलों की बौछार जैसे ही भगवान श्रीकृष्ण-बलराम पर हुई तो पूरा पांडाल जयकारों से गूंज उठा। मौका था जगतपुरा स्थित श्री कृष्ण बलराम मंदिर, हरे कृष्ण मूवमेंट में नित्यानंद त्रयोदशी का, जिसमें हर कोई भक्ति रस में डूबा नजर आया। छोटी काशी में फागुन का महीना शुरू होने से पहले ही फागोत्सव का उल्लास चरम पर है। सुबह से ही मंदिर में भक्तों की भीड़ जुटना शुरू हो गई। दिनभर भक्तों ने भगवान के पवित्र नाम का जाप करते हुए कीर्तन पर नृत्य किया और भक्ति रस धारा का आनंद लिया। इस मौके पर भगवान श्रीकृष्ण बलराम का फूलों से विशेष श्रृंगार किया गया। मंदिर में गुलाब, ऑर्किड, कारनेशन, मधुकामनी, जाफरी, कनेर, मोगरा, डेजी, देहलिया के फूलों से झांकी सजाई गई। हरे कृष्ण कल्चर सेंटर के सुधर्मा हॉल में शाम को गौर निताई का विशेष पालकी उत्सव मनाया गया। इसके बाद गौर निताई के विग्रह का पंचगव्य, 21 फलों के रस, औषधियों एवं पुष्पों से महाभिषेक किया गया। इस दौरान मंदिर परिसर वैदिक मंत्रों से गूंज उठा। मंदिर में विशेष तुलसी पूजन कर भगवान को छप्पन भोग लगाया गया। मंदिर के अध्यक्ष अमितासन दास ने बताया कि चैतन्य महाप्रभु ने नित्यानंद प्रभु को अपना सर्वोत्तम भक्त स्वीकार किया है।

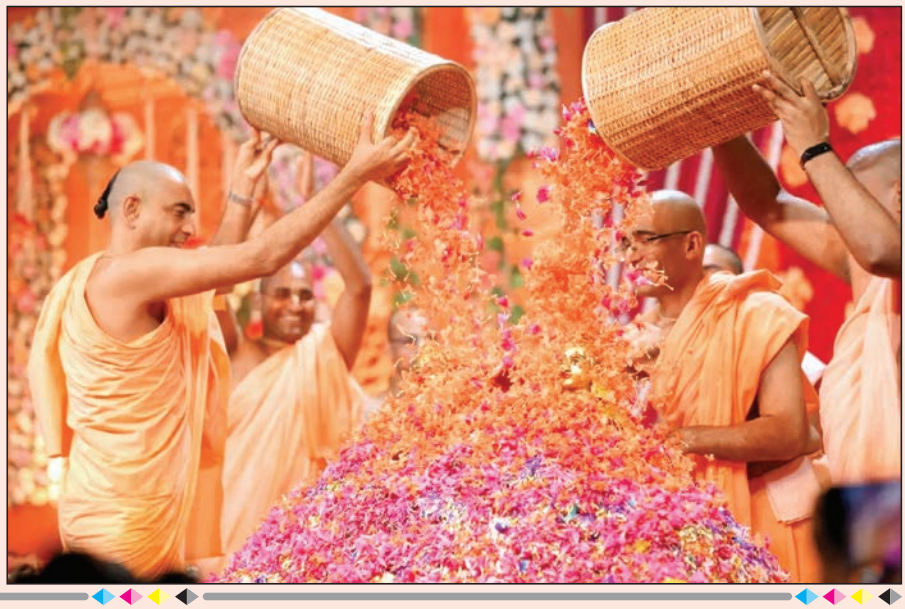

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर की श्रीमहावीरजी बोलखेडा तिजारा यात्रा संपन्न

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन सोशल ग्रुप तीर्थंकर एवं सिटिजन यात्रा क्लब जयपुर के संयुक्त तत्वावधान में एक धार्मिक यात्रा का आयोजन हुआ ।इस यात्रामें तीर्थंकर ग्रुप के अध्यक्ष डां.एम.एल जैन मणि-डां शान्ती जैन मणि ,कार्याध्यक्ष सुरेश-आभा गंगवाल, महेन्द्र-निर्मला सेठी, के सी जैन-बीनाजैन, श्रीमति सुमति अजमेरा,आशा गर्ग, पुष्पा मालपुरा,सुरबाला आदि ने पुण्यार्जन किया ।सभी सदस्य दिगम्बर जैन चन्द्र प्रभ जी मंदिर दुगार्पुरा में एकत्र होकर अभिषेक व शांतिधारा देख रवाना हुये व दौसा पहुंचे ।दौसा में मंदिरजी के दर्शन कर 108 उपाध्याय उर्जन्त सागरजी महाराज के दर्शन लाभ लेकर श्री महावीरजी गये । वहां मुख्य मंदिरजी में दर्शन कर पीछे खडगासन प्रतिमा व चोबीसी व अन्य मंदिरों के दर्शन कर वहां चिन्मय सागरजी महाराज का अहार देखा व प्रवचन सुना तथा बोलखेडाजी के लिए रवाना हुये। सायं बोलखेडाजी पहुंच कर वंहा की पहाडी पर स्थित सभी सात मंदिरों का दर्शन लाभ कर भोजन कर सांय की आरती कर तिजारा जी आ गये। रात्रि विश्राम तिजारा में किया व सुबह उठकर सभी पुरुष सदस्यों ने मूलनायक चन्द्र प्रभ भगवान का अभिषेक किया । ग्रुप अध्यक्ष डां.एम.एल जैन 'मणि' ने डां शान्ति जैन 'मणि' की सालगिरह के उपलक्ष्य में सभी प्रतिमाओं का अभिषेक किया व सभी ने पूजा-पाठ किया व फिर नवग्रह मंदिर जी व पद्मावती माताजी के मंदिरों के दर्शन के लिए गये । वंहा से आकर तिजारा के पार्श्वनाथ मंदिर व चन्द्रगिरी की चोबीसी के दर्शन किए। तिजारा में महाराज व विज्ञाश्री माताजी के संघ की माताजी के दर्शन किए व आशीर्वाद प्राप्त किया।दोपहर का भोजन कर अलवर के लिए रवाना हुये।वंहा 10बी स्कीम में दर्शन कर बलजी राठोड गली के स्वर्ण मंदिर में दर्शन किए व विराटनगर आ गये।यंहा मूल मंदिरजी व आसपास की सभी जिन प्रतिमाओं के दर्शन कर जयपुर आ गए।

श्री दिगंबर जैन ग्लोबल महासभा की महिला वूमेन फोरम का राष्ट्रीय महिला सम्मेलन शीतल तीर्थ रतलाम में संपन्न हुआ

रतलाम. शाबाश इंडिया

परम पूज्य आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ससंघ एवं परम पूज्य आचार्य श्री सुंदर सागर जी महाराज ससंघ के पावन सानिध्य में श्री दिगंबर जैन ग्लोबल महासभा की महिला वूमेन फोरम का राष्ट्रीय महिला सम्मेलन संपन्न हुआ। बाल ब्रह्मचारी सविता दीदी के मार्गदर्शन एवं सानिध्य में रतलाम शीतल तीर्थ में ग्लोबल महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जमनालाल जैन हपावत व सुजाता शाह राष्ट्रीय अध्यक्ष ग्लोबल वूमेन फोरम द्वारा श्री दिगंबर जैन ग्लोबल महासभा के मीडिया प्रभारी पवन जैन पदमावत ने बताया की इस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें संपूर्ण देश से 11 सशक्त जैन महिला जो अपने स्वयं के बलबूते पर धर्म, समाज, शिक्षा, स्पोर्ट आदि अलग-अलग क्षेत्र में जिन्होंने ऊंचाइयां हासिल की है उनका विशेष रूप से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में अर्चना जैन नीति आयोग दिल्ली मुख्य अतिथि रूप में उपस्थित थी। जिनके हाथों डॉ.इंदु जैन राष्ट्र गौरव दिल्ली, पूर्वा शाह पुणे, नृत्यांगना साधना मादावत (रंगशाला), सरिता जैन चेन्नई प्लेयर एवं योग, मंगला शाह पंढरपुर - लक्ष्य पीड़ित बच्चो को संभालने का कार्य, बीना छाबड़ा - समाज सेवा, प्रिय शाह मुंबई - साहित्य, कला, संस्कृति कार्य, अंजलि शाह पुणे - कीर्तनकार, प्रगति जैन मुंबई आदि महिलाओं का सम्मान किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रूप से कमल ठोलिया, टी के वैद्य, हंसमुख गांधी, नरेंद्र रारा, अनुपम जैन उपस्थिति रहे। वर्धमान कासलीवाल, प्रवीण लोहाडे, मुकेश गोटी, वीरेंद्र धन्नावत, सुमित लाल दुदावत, भवरलाल मुंडलिया, जमनालाल धताणिया, अक्षय, नरेश जैन, अर्चना जैन, उषा चूड़ीवाल गोहाटी, मंजू जैन गदावत, मीना, सीमा चंपावत, सीमा पाटनी, गिरिजादेवी चित्तौड़ा, बबिता जैन आदि अनेक ग्लोबल महासभा के अनेक पदाधिकार उपस्थिति रहे।

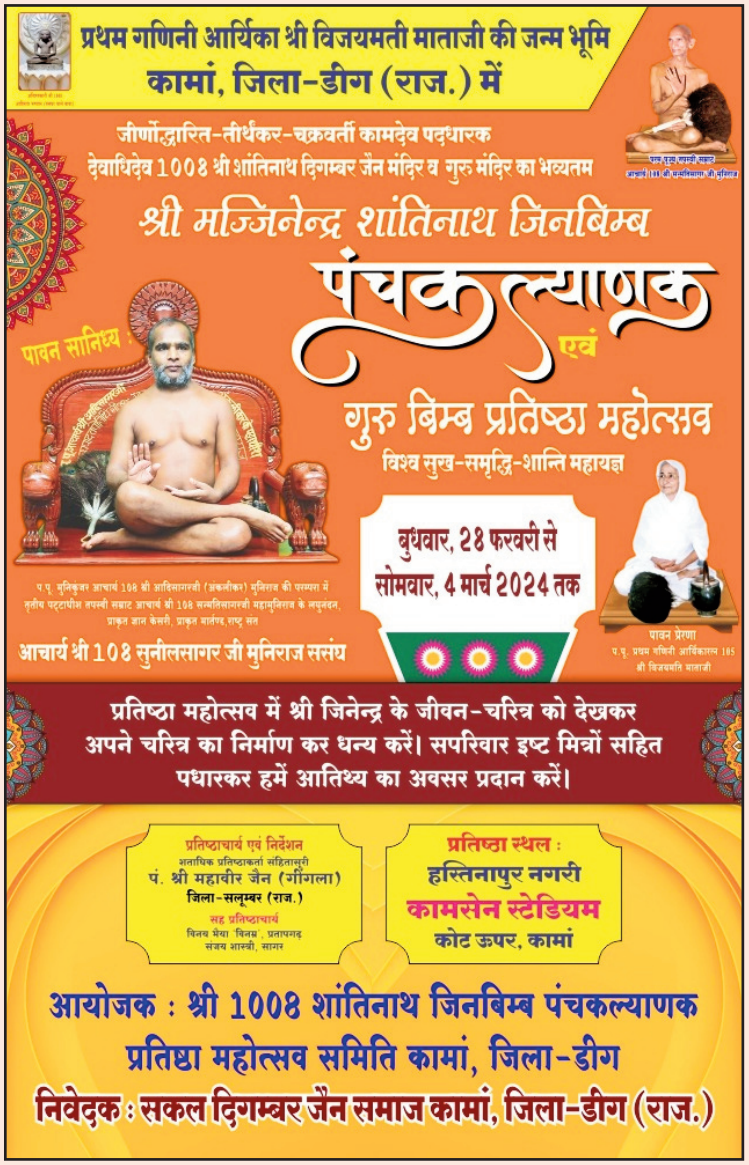

जन्म दिन पर श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर में बच्चों को भोजन करवाया

जयपुर. शाबाश इंडिया। स्वर्गीय श्री हरीश ठोलिया के जन्म दिन पर श्रमण संस्कृति संस्थान सांगानेर में बच्चो को भोजन करवाया। छात्रावास के राहुल जैन ने बताया कि भोजन पुण्यार्जक परिवार विमला ठोलिया, प्रमिला, मनीष बड़जात्या के सहयोग से सांगानेर स्थित श्रमण संस्कृति संस्थान में आज 200 बच्चों को भोजन कराया ।

विश्व स्तरीय जाँच लेब द्वारा सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

कुचामन सिटी. शाबाश इंडिया। महावीर इंटरनेशनल संस्था परिवार द्वारा सबको प्यार सबकी सेवा जीवों ओर जीने दो उद्देश्य से मानव सेवार्थ ''शरीर स्वस्थ है तो सब सही है'' कि भावना से संस्था के वीर, वीरा, युथ परिवार कुचामन सिटी द्वारा सात दिवसीय विशाल सम्पूर्ण शारीरिक स्वास्थ्य जांच एवं हैल्थ एक्सपर्ट द्वारा परामर्श शिविर का महावीर भवन पुरानी धान मंडी में शुभारंभ भगवान महावीर के सामने दीप प्रज्ज्वलित कर महावीर प्रार्थना का वाचन कर किया। अध्यक्ष वीर रामावतार गोयल, वीर अशोक अजमेरा ,वीर सम्पत बगड़िया, वीर प्रदीप काला, नंदकिशोर सैन, शिविर संयोजक वीर कैलाश पांड्या, वीर तेजकुमार बड़जात्या थायरोकेयर जांच लेब के फिरोज अहमद अफताब मन्सुरी का माला से स्वागत किया गया। वीर सुभाष पहाड़िया के अनुसार सभी महानुभाव को महानगरों कि सुविधा कुचामन शहर मे ही न्युनतम शुल्क में उपल्बध करवाई जा रही है, आप सभी शारीरिक जांच करवाकर लाभ उठा सकते है।

सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ में चल रही है दीक्षा दिवस की तैयारियां

गुंसी, निवाई। श्री दिगम्बर जैन सहस्त्रकूट विज्ञातीर्थ, गुन्सी (राज.) की पावन धरा पर विराजमान गणिनी आर्यिका विज्ञाश्री माताजी का 30 वाँ दीक्षा दिवस महोत्सव 25 फरवरी को मनाया जायेगा। चातुर्मास समिति के अध्यक्ष अनिल बनेठा के द्वारा कार्यक्रम की तैयारियां जोर-शोर से चल रही है। प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को उपदेश देते हुए माताजी ने कहा कि - जब मेहनत करने के बाद भी सपने पूरे नही हो तो रास्ते बदलिये सिद्धांत नहीं। क्योंकि पेड़ भी हमेशा पत्ते बदलता है, जड़ नहीं। शास्त्रों में साफ शब्दों में लिखा है, निराश मत होना कमजोर तेरा वक्त है तू नहीं । वक्त बुरा हो तो मेहनत करना और वक्त अच्छा हो तो किसी की मदद करना।

वेद ज्ञान

परमात्मा की शक्ति से सब कुछ हो रहा है

मनुष्य में जो कुछ भी शक्ति है, वह उसकी अपनी नहीं है। यह बात याद रखनी चाहिए कि मेरा कुछ भी नहीं है। जब मनुष्य के मन में यह भावना उठती है कि मेरी शक्ति से नहीं, उन्हीं की शक्ति से सब कुछ हो रहा है, तब उनमें अनंत शक्ति आ जाती है। आप लोग इस दुनिया में आए हैं। इसलिए आपको बहुत कुछ करना है। वस्तुतः दुनिया में जो कुछ भी होता है, उसके पीछे एषणा वृत्ति काम करती है। एषणा है इच्छा को कार्य रूप देने का प्रयास। जहां इच्छा है और इच्छा के अनुसार काम करने की चेष्टा है, उसे कहते हैं एषणा। दुनिया में जो कुछ भी है, एषणा से ही है। परमात्मा की एषणा से दुनिया की उत्पत्ति हुई है। जब परमपुरुष की एषणा और मनुष्य की व्यक्तिगत एषणा एक साथ काम करती है तो उस स्थिति में कर्म में मनुष्य सिद्धि पाते हैं, किंतु वे सोचते हैं कि मेरी कर्मसिद्धि हुई है। कर्मसिद्धि कुछ नहीं हुई है। परमपुरुष की एषणा की पूर्ति हुई है। वह जैसा चाहते हैं, वैसा हुआ। आपकी ख्वाहिश भी वैसी थी। इसलिए आपके मन में भावना आई कि मेरी इच्छा की पूर्ति हो गई है। आपकी इच्छा की पूर्ति नहीं होती है। उनकी इच्छा की पूर्ति होती है। वे अपनी इच्छा के अनुसार काम करते हैं, किंतु मनुष्य के मन में आनंद तब होता है, जब मनुष्य यह जान लेता है कि उनकी इच्छा की पूर्ति हो गई। इसलिए बुद्धिमान मनुष्य इस संदर्भ में क्या करते हैं? वे सोचते हैं कि परमात्मा की इच्छा इसमें क्या है। उसी इच्छा को मैं अपनी इच्छा भी बना लूं। वे देखते हैं कि परमात्मा की जो एषणा है उसके पीछे कौन सी वृत्ति है? वह है इस दुनिया का कल्याण हो। कल्याण हो यही है परमात्मा की एषणा। इसलिए शास्त्र में परमात्मा का एक नाम कल्याणसुंदरम भी है। परमात्मा सुंदर क्यों हैं? चूंकि उनमें कल्याण वृत्ति है। इसलिए वे सुंदर हैं। परमात्मा हर जीव की नजर में सुंदर हैं, क्योंकि वे कल्याणसुंदरम हैं। साधक केवल अपने आगे बढ़ेंगे और दुनिया के और व्यक्ति पीछे रह जाएंगे। यह मनोभाव साधक का नहीं है। इसलिए कहा जाता है कि साधना का अन्यतम अंग है तप। तप माने अपने स्वार्थ की ओर नहीं ताकना। ताकना है समाज के हित की ओर।

संपादकीय

न्यूनतम समर्थन मूल्य पर विचार...

अपने करियर की शुरूआत में पंजाब के एक किसान से मैंने पूछा था कि भू-जल स्तर जब लगातार नीचे जा रहा है, तब आप धान क्यों बोते हैं? जवाब मिला था, आप जो चाहेंगे, मैं वही बोऊंगा, आप बस मुझे खरीद का उचित आश्वासन दीजिए। उसी वर्ष हरियाणा में मैंने एक पोल्ट्री किसान और उससे सामान खरीदने वाले व्यापारी से पूछा था कि सरकारी नीतियों ने उनके सहयोग को कैसे सुविधाजनक बनाया है? जवाब मिला कि सरकार ने

एक ही काम सही किया कि वह इस सबसे बाहर रही! राष्ट्रीय राजधानी में किसान आंदोलन की पृष्ठभूमि में काम कर रहे दो बिंदुओं को यहां रेखांकित किया जा सकता है : पहला, कृषि में सरकार की हर जगह जरूरत नहीं है और दूसरा, सुनिश्चित आय समय के साथ किसानों की जोखिम उठाने की क्षमता को घटा देती है। फसल विविधीकरण को लेकर पंजाब के किसानों की जड़ता जगजाहिर है। वे न्यूनतम समर्थन मूल्य से लाभान्वित होते हैं, पर बाजार में मौजूद अवसरों से चूक जाते हैं। पिछले साल ही, अधिकांश चावल उत्पादक राज्यों में गैर-बासमती की कीमतें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) से अधिक हो गईं, पर पंजाब, हरियाणा में किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर डटे रहे, जिससे उनका फायदा सिमट गया। यहां राजनीति का सवाल भी बड़ा है। पंजाब में मिलने वाली मुफ्त बिजली नीति से भी उत्पादन लागत घट जाती है, जिससे धान के रकबे को भी बढ़ावा मिलता है। मुफ्त बिजली नीति को छूने की किसी भी राजनीतिक पार्टी ने हिम्मत नहीं दिखाई है। किसानों ने विविधता संबंधी प्रस्ताव भी ठुकरा दिया है। यहां एक मिसाल है, गन्ना लाभकारी मूल्य कानून, जिसके तहत चीनी मिलें किसानों को भुगतान करती हैं, सरकार नहीं। ऐसी किसी व्यवस्था को व्यापक बनाने पर कोई विमर्श नहीं है, इसके बजाय आंदोलनकारी किसान 22 फसलों के लिए समान कानूनी समर्थन मांग रहे हैं! एक अन्य मांग एमएसपी की गणना के लिए एमएस स्वामीनाथन फार्मूले को लागू करने की है, जिसके मुताबिक, किसानों को खेती की व्यापक लागत (सी2) से 50 प्रतिशत अधिक मिलना चाहिए। यहां एमएसपी की गारंटी से मांग और आपूर्ति संबंधी बाजार सिद्धांत विफल हो जाता है। एमएसपी में अतार्किक वृद्धि निर्यात को महंगा कर देती है। उदाहरण के लिए, सोयाबीन के उच्च एमएसपी ने हमें सोयामील निर्यात से वंचित कर दिया है। यदि हम इतनी ऊंची एमएसपी तय करते हैं, तो अव्यावहारिक कीमतों के लिए तैयार रहना होगा। फसल के ऊंचे समर्थन मूल्य से ऊंची कीमतें पैदा होंगी। यह भी ध्यान रहे, 86 प्रतिशत भारतीय किसान छोटे और सीमांत श्रेणी के हैं और कृषि वस्तुओं के स्वयं उपभोक्ता हैं, इन्हें कितनी महंगाई मंजूर होगी? वास्तव में, उपभोक्ताओं और किसानों, दोनों की चिंताओं को संतुलित करना होगा, पर क्या किसानों की आय में सुधार के लिए गारंटीशुदा एमएसपी सही उपाय है? अनुपात से ज्यादा एमएसपी अव्यावहारिक है। **-राकेश जैन गोदिका**

परिदृश्य

उम्मीद तो जगी

बचपन में जब हम सभी दोस्त मिल कर क्रिकेट खेलते थे तो कोई मित्र बैट ले कर आता था तो कोई बॉल। अचानक खेलते हुए जब बैट या बॉल लाने वाला मित्र बिना कोई रन बनाए आउट हो जाता था तो खुद को आउट होना न स्वीकारते हुए गुस्से में वो अपना बैट या बॉल लेकर घर चला जाता था। ऐसा वो इस उम्मीद से करता था कि उसे एक बार और खेलने का मौका मिले। परंतु जैसे ही उसे कोई बड़ा ना समझाता कि खेल को खेल की भावना से खेलना चाहिए, हार-जीत तो होती ही रहती है। इसमें बुरा मानने की क्या बात? तो वो मान जाता था। पिछले दिनों सर्वोच्च अदालत ने भी समझदार व्यक्ति की भूमिका निभाते हुए न सिर्फ बेईमानी कर रहे अधिकारी को आईना दिखाया, बल्कि पूरे देश में एक संदेश भी भेजा कि जो भी हो नियम-कानून की हद में हो। चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव को लेकर जो विवाद सुर्खियों में था उस पर सर्वोच्च न्यायालय ने विराम लगा दिया। मुख्य न्यायाधीश जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने इस चुनाव के विवादित वीडियो का संज्ञान लेते हुए पीठासीन अधिकारी अनिल मसीह को दोषी करार दिया और जिस प्रत्याशी को बहुमत मिला उसी को मेयर घोषित भी किया। देखा जाए तो यह मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचना ही नहीं चाहिए था। जैसे ही यह मामला पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट पहुंचा इसका निर्णय वहीं हो जाना चाहिए था परंतु ऐसा न हो पाने के कारण यह सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा। मामले की सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा, अदालत यह सुनिश्चित करने के लिए बाध्य है कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया इस तरह के हथकंडों से नष्ट नहीं हो। यह भी कहा, मेयर चुनाव में अमान्य किए गए आठ बैलट पेपर मान्य माने जाएंगे। साथ ही, रिटर्निंग ऑफिसर अनिल मसीह को कोर्ट की अवमानना का नोटिस जारी किया। तीन सप्ताह में इस अधिकारी को साबित करना होगा कि उसके खिलाफ कानूनी कार्यवाही क्यों न की जाए? जिस तरह से चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव के मामले ने सुप्रीम कोर्ट पहुंच कर तूल पकड़ा, देश भर की जनता में उम्मीद की एक किरण जागी है। बात किसी दल की नहीं है परंतु जिस तरह एक अधिकारी ने पहले तो लोकतांत्रिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप कर बेईमानी की और इतना ही नहीं सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के दौरान गलत बयान भी दिया। अनिल मसीह की इस गैर-कानूनी हरकत से जनता के बीच संदेश गया कि सीधी-सादी चुनावी प्रक्रिया धांधली कैसे की जाती है। कोर्ट के कड़े रुख से यह बात भी साफ हो गई कि मामला चाहे एक मेयर के छोटे से चुनाव का ही क्यों न हो, लोकतांत्रिक प्रक्रिया में पारदर्शिता होना बहुत जरूरी है। उल्लेखनीय है कि इस चुनाव में धांधली इसलिए सामने आई क्योंकि जब यह चुनाव चल रहा था तब पूरी कार्यवाही को वहां लगे सीसीटीवी में रिकॉर्ड किया जा रहा था। जैसे ही इस धांधली के वीडियो दुनिया भर में घूमने लगे तो ये सवाल भी उठने लगे कि जिस प्रत्याशी को बहुमत मिला है उसे मेयर के पद पर बैठाने में चुनावी अधिकारी को क्या आपत्ति है? अब चूंकि सुप्रीम कोर्ट ने इस चुनाव के रिटर्निंग ऑफिसर अनिल मसीह के कृत्य पर उनको कारण बताओ नोटिस भी जारी किया है तो इससे एक बात तो तय लगती है कि कोर्ट मामले की तह तक जा सकता है। यह सवाल भी उठता है कि क्या यह रिटर्निंग ऑफिसर किसी के कहने पर कर ऐसा रहा था? क्या यह अधिकारी इतना मासूम था कि उसे नियमों का ज्ञान ही नहीं था? ऐसा इसलिए नहीं हो सकता क्योंकि जब भी किसी व्यक्ति को रिटर्निंग ऑफिसर बनाया जाता है तो उसे उस पद से संबंधित सभी कायदे-नियम समझाए जाते हैं। इसलिए कहना गलत नहीं होगा कि चंडीगढ़ के मेयर के चुनाव में जो भी हुआ वो सोची-समझी साजिश के तहत हुआ।

जैन मन्दिर, पारस विहार, मुहाना मंडी, मोहनपुर में कल्याण मंदिर स्त्रोत मंडल विधान 25 को

जयपुर. कासं

श्री पार्श्वनाथ दिगंबर जैन मन्दिर, पारस विहार, मुहाना मंडी, मोहनपुर में कल्याण मंदिर स्त्रोत मंडल विधान का आयोजन रविवार 25 फरवरी को होगा। मंदिर कमेटी के अध्यक्षपवन कुमार जैन(गोदीका) ने बताया कि देवश्रमण आचार्य श्री 108 कुशाग्र नंदी जी गुरु देव के सानिध्य में श्री 1008 चन्द्र प्रभ, पुष्पदंत, चौबीसी भगवान, शान्ति नाथ, मुनिसुव्रत नाथ भगवान की प्रतिमाओं का बम्बई ठाणे में स्थित श्री कल्याण मंदिरम तीर्थ पर पंचकल्याणक महोत्सव में विगत दिनों प्रतिष्ठा सम्पन्न हुई थी। प्रतिमाओं के पुण्यार्जक नरेश धर्मेश ज अजमेरा झ गुलाब बिहार मुहाना, सुभाष गौरव पाटनी - लक्ष्मी निकुंज, धर्मेन्द्र देवांशु गोदीका - पारस विहार, ज्ञान चंद अंकित सोगानी, सांगानेर, सुरेन्द्र निर्मला चांदवाड झराधा निकुंज द्वारा रविवार, दिनांक 25 फरवरी को प्रातः 7:30 बजे पंचामृत अभिषेक, शान्तिधारा एवं कल्याण मंदिर स्त्रोत मंडल विधान सम्पन्न होने के पश्चात वेदी पर प्रतिमाओं विराजमान किया जायेगा। इस अवसर पर मंडल पर कल्याण मंदिर स्त्रोत विधान की पूजा का आयोजन प्रतिष्ठाचार्य श्री निर्मल जी बोहरा के सानिध्य में रखा गया है। विधान के पश्चात सामुहिक वात्सल्य भोजन की व्यवस्था भी है।

वीर सेवक मंडल देगा गुवाहाटी वेदी प्रतिष्ठा में अपनी सेवा

दो दिवसीय वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव आज 24 से

जयपुर. शाबाश इंडिया। गुवाहाटी समाज की ओर से भव्य वेदी प्रतिष्ठा महोत्सव 24 - 25 फरवरी 2024 को सूर्योदय अहिंसा दिगंबर जैन तीर्थ क्षेत्र सूर्य पहाड़ पर आयोजित किया जाएगा। समारोह के लिए आचार्य श्री के आदेश अनुसार गुवाहाटी समाज से महिपाल चूड़ीवाल एवं समाज समिति के अध्यक्ष महावीर प्रसाद जैन ने वीर सेवक मंडल को सेवाओं के लिए आमंत्रित किया। आमंत्रण पर वीर सेवक मंडल दलपति शरद बाकलीवाल के नेतृत्व में जिनेश कुमार जैन , पंकज कुमार अजमेरा, संजय पांडेय, सौभागमल जैन, कांति-चंदजैन, सिद्धार्थ, मुकेश, दीपक, अंकेश जैन आदि 40 मंडल कार्यकर्ताओं के साथ भव्य वैदि प्रतिष्ठा महोत्सव सर्वोदय तीर्थ सूर्य पहाड़ के लिए जयपुर से गुरुवार को गुवाहाटी के लिए रहना हुए।

लोकेश शर्मा को डॉक्टरेट उपाधि मिली

कोटा. कासं

कोटा विश्वविद्यालय द्वारा लोकेश शर्मा को बायोरेमीडिएशन ऑफ वेस्ट वाटर साइट ऑफ रिवर चम्बल युजिन्ग इंडिजिनस बैक्टीरिया एंडे एलगल स्पीसीज विषय पर डॉक्टरेट उपाधि प्रदान की गई। लोकेश ने अपना शोध कार्य कोटा विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी- माइक्रोबायोलॉजी विभाग की समनयक एसोसिएट प्रोफेसर डॉक्टर पल्लवी शर्मा के मार्गदर्शन में कोटा विश्वविद्यालय के शोध केंद्र माँ भारती पी .जी. कॉलेज में पूरा किया। इस अनुसंधान से औधोगिक शहरो मे प्रदूषण को नियंत्रित किया जा सकता है।

अयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का लाडनूं में आगमन

शाबाश इंडिया. राज पाटनी

लाडनूं। पुज्य गणिनी प्रमुख ज्ञानमती माताजी के निर्देशन में प्रवर्तितअयोध्या तीर्थ प्रभावना रथ का देश के विभिन्न स्थानों से भ्रमण करते हुए लाडनूं में आगमन हुआ। जिनेंद्र भगवान की प्रतिमाओं से युक्त भव्य सुसज्जित रथ का लाडनूं की दिगंबर जैन समाज के द्वारा भव्य स्वागत अभिनंदन किया गया। रथ को जैन भवन से गाजे-बाजो के साथ शोभायात्रा के रुप में नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए बड़ा मंदिर के पास स्थित शांति चौक में लाया गया तथा बड़ा मंदिर जी में आयोजित सभा में रथ के साथ चल रहे अयोध्या तीर्थ के प्रतिनिधि व संचालक ने तीर्थ के संबंध में विभिन्न जानकारियों से समाज को अवगत कराया। शोभायात्रा के दौरान श्रावकों ने रथ की आरती की व रथ में स्थित जिनेंद्र भगवान के पालने को भक्ति भाव से झुलाया तथा अयोध्या के संवर्धन के लिए द्रव्य भेंट किया। इस आयोजन में समाज के सभी पुरुष महिलाओं व बच्चों ने भक्ति भाव व उल्लास के साथ भाग लिया।

तिये की बैठक

हमारे पूजनीय

श्रीमान रतन लाल जी छाबडा

(पूर्व अध्यक्ष राजस्थान जैन सभा)
का आकस्मिक निधन 23-02-24 को हो गया है।
तीये की बैठक 25-02 2024 को प्रातः 10.30
बजे भट्टारक जी की नसियां नारायण सिंह सर्किल
पर रखी गई है।

शोकाकुल
तारा देवी (पत्नी), शांति देवी,
पदम चंद- कांता (भ्राता-भ्राता वधु)
अशोक- उर्मिला, राकेश- साधना (पुत्र- पुत्र वधु), कैलाश, भानु,
अनिल, वरुण, विनय (भतीजे), प्रेम लता, मदन लाल जी (बहन-
बहनोई)
विमला - विनोद , शोभा -शेखर , मंजू - अशोक (पुत्री- दामाद), रानू
-अनुज , अदिति -दीपेश , अणिमा - प्रशांत , अपूर्वा - देवांश (पौत्री-
दामाद), अमित - रानू, रोहित - साक्षी, गुंजन - मिलिंद, रुनझुन -
प्रियेश (दोहिते- दोहिती), एवं समस्त छाबड़ा परिवार।
ससुराल पक्षः पदमा देवी, भाग चंद, कमल चंद, महावीर ज्ञान चंद एवं
समस्त पहाडिया परिवार

बाजरा: प्राचीन अनाज का आधुनिक पुनर्जन्म

डॉ पीयूष त्रिवेदी
आयुर्वेदाचार्य
चिकित्साधिकारी राजकीय
आयुर्वेद चिकित्सालय राजस्थान
विधानसभा,जयपुर। 9828011871

रेगिस्तान की रानी, सूरज का साथी, गरीबों का सोना - ये सभी उपनाम एक साधारण से दिखने वाले अनाज के हैं, जिसका नाम है बाजरा। 4000 साल का इतिहास समेटे, बाजरा ने अफ्रीका से भारत की यात्रा तय की और यहां की संस्कृति में इस कदर रच बस गया कि दादी मां की कहानियों से लेकर खेतों के नज़ारों तक, हर जगह इसकी छाप देखने को मिलती है।आज जब आधुनिक ज़िंदगी की भागदौड़ में हम पौष्टिकता की तलाश कर रहे हैं, तो बाजरा एक सुखद आवाज़ की तरह सामने आता है। ये वो हीरो है जो सूखे और कमज़ोर ज़मीन पर भी हंसते-हंसते फसल देता है। जहां गेहूं और मक्का प्यासे होकर हार मान लेते हैं, वहां बाजरा अपना हरा झंडा लहराता रहता है। ये गुण ही इसे पर्यावरण का आदर्श साथी बनाते हैं।लेकिन बाजरा की असली ताकत तो उसके अंदर छिपी है। वो आयरन, कैल्शियम और विटामिन ई का खजाना है, जो आपके शरीर को हर जरूरी तत्व देता है। फाइबर, मैग्नीशियम, जिंक और विटामिन बी कॉम्प्लेक्स के साथ मिलकर ये आपके सेहत की पहरेदारी करता है।एनीमिया को हराना हो, वज़न को कम करना हो, मधुमेह को कंट्रोल करना हो या हृदय को मज़बूत बनाना हो, बाजरा हर मोर्चे पर आपके साथ खड़ा है। एंटीऑक्सिडेंटस गुणों से भरपूर, ये कोलेस्ट्रॉल को कम करता है और सांस की तकलीफें भी दूर भगाता है। यहां तक कि माइग्रेन के दर्द से भी ये निजात दिला सकता है।लेकिन बाजरा सिर्फ Doctor ही नहीं, बल्कि Masterchef भी है। खिचड़ी से लेकर रोटी, पराठे से लेकर भजिया, उपमा से लेकर इडली, डोसा और यहां तक कि केक और ब्राउनी तक और चूरमा, बाजरा हर रूप में स्वाद का जादू बिखेरता है। इसे अपने भोजन में शामिल करें और हर एक कौर के साथ सेहत और स्वाद का नया अनुभव लें।बाजरा हमें याद दिलाता है कि पुरानी चीज़ों में भी नयापन तलाशने की कोशिश करें। तो ज़रा ठहरिए, अगली बार बाजार जाते समय आधुनिक पैकेजों के चकाचौंध में न खोएं, बल्कि बाजरा की ओर ज़रूर एक नज़र डालें। ये प्राचीन अनाज आपकी ज़िंदगी में स्वाद और सेहत का एक नया अध्याय लिखने को तैयार है। इस पोस्ट में हमने बाजरा के बारे में कुछ कहने की कोशिश की है। उम्मीद है ये जानकारी आपको इस चमत्कारी अनाज को अपनाने और एक स्वस्थ ज़िंदगी की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करेगी। तो चलिए, आइए सब मिलकर बाजरा को अपनी रसोई और अपने भविष्य का हिस्सा बनाए,

बाजरा के 100 ग्राम में आप कितना पोषण पाएंगे, वो यहां देखें:Calories: 361 (दैनिक ज़रूरत का 18%) Carbs: 67.5 ग्राम (दैनिक ज़रूरत का 22.5%) Protien: 11.6 ग्राम (दैनिक ज़रूरत का 23.2%) Fat: 5.0 ग्राम (दैनिक ज़रूरत का 7.7%)Fiber: 11.3 ग्राम (दैनिक ज़रूरत का 45.2%) Calcium: 42 मिलीग्राम (दैनिक ज़रूरत का 4.2%)Iron: 8.0 मिलीग्राम (दैनिक ज़रूरत का 44.4%)Sodium: 10.9 मिलीग्राम (दैनिक ज़रूरत का 0.4%)Pottasium: 307 मिलीग्राम (दैनिक ज़रूरत का 8.6%)Phosphorus: 296 मिलीग्राम (दैनिक ज़रूरत का 26.7%)ये आंकड़े बताते हैं कि बाजरा कितना पौष्टिक और सेहतमंद है! खासकर आयरन और फाइबर में ये तो किसी पावरहाउस से कम नहीं! तो अपनी थाली में ज़रूर शामिल करें इस जादुई अनाज को।

अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज के प्रवचन से ...

घड़ी कोई भी ठीक कर सकता है, परन्तु स्वयं की घड़ी तो स्वयं को ही ठीक करनी होगी : अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी

औरंगाबाद उदगाव. शाबाश इंडिया

आचार्य श्री 108 अंतर्मना प्रसन्न सागर जी महाराज महाराष्ट्र प्रांत के कुंजवन उदगांव में राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित चावल पर सूक्ष्म लेखन कलाकार निरु छाबड़ा की कलाकृति देख आशीर्वाद देते हुए।

भारत गौरव साधना महोदधि सिंहनिष्क्रिड़ित व्रत कर्ता अन्तर्मना आचार्य श्री 108 प्रसन्न सागर जी महाराज एवं सौम्यमूर्ति उपाध्याय 108 श्री पीयूष सागर जी महाराज ससंघ का महाराष्ट्र के ऊदगाव मे विराजमान है। प्रवचन के में बताया कि कोई भी खाली नहीं इस दुनिया में, सब गले तक भरे बैठे हैं..

कोई प्रेम से भरा है....कोई घृणा से, वैमनस्यता से, कोई यादों के झरोखे से....तो कोई स्वयं के कारणों से..!

ध्यान रखना-घड़ी कोई भी ठीक कर सकता है, परन्तु स्वयं की घड़ी तो स्वयं को ही ठीक करनी होगी बाबू! हमारी घड़ी ठीक करने भगवान महावीर कभी नहीं आयेंगे।

नया चिन्तन-सुबह का भूला, शाम को घर आ जाये -- ये है प्रतिक्रमण।

थके हारे व्यक्ति को, घने वृक्ष की छाव मिल जाये, ये है सामायिक।

भूखे प्यासे व्यक्ति को, पेट भर भोजन मिल जाये --- ये है स्वाध्याय, प्रवचन और सत्संग

मन पवित्र है, सरल है, निर्मल है तो जीवन स्वर्ग है।और यदि मन अपवित्र है, विकार, वासना से भरा है तो जीवन नर्क है।क्योंकि जीवन एक मान सरोवर है जिसमें मन रूपी हंस क्रीड़ा कर रहे। कमल का कीचड़ में रहना और मनुष्य का संसार में रहना बुरा नहीं है, ना अशुभ है बुरा और अशुभ तो तब है जब कीचड़ कमल पर आ जाये, और संसार मनुष्य के मन में बस जाये।

इसलिए -- तूफान को शान्त करने की कोशिश की बजाय खुद के मन और इच्छाओं को शान्त कर लो, फिर देखो विचारों का तूफान अपने आप शान्त हो जायेगा...!!!नरेंद्र अजमेरा पियुष कासलीवाल औरंगाबाद

卐 श्री पद्मप्रभ जिनेन्द्राय नमः 卐

मूलनायक श्री 1008 पद्मप्रभ भगवान

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा), जयपुर

मोक्षकल्याणक एवं महामस्तकाभिषेक महोत्सव

नवीन पद्मकमल जिनालय

बुधवार, दिनांक 28 फरवरी 2024
(मिती फाल्गुन कृष्ण चतुर्थी संवत 2080)

धर्मानुरागी महानुभावों,

सादर जय जिनेन्द्र !

श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा (बाड़ा), जयपुर में भगवान पद्मप्रभु का "मोक्षकल्याणक एवं भव्य महा-मस्तकाभिषेक महोत्सव" बुधवार, दिनांक 28 फरवरी 2024 को आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर निर्वाण लड्डू चढ़ाये जाने एवं अन्य कार्यक्रमों के अतिरिक्त मूलनायक प्रतिमाजी के अभिषेक, विशाल खड्गसान प्रतिमाजी के पंचामृत महामस्तकाभिषेक किये जायेंगे।

उपरोक्त सभी कार्यक्रमों में सपरिवार इष्टमित्रों सहित सम्मिलित होकर पुण्यार्जन कर धर्मलाभ प्राप्त करें।

निर्वाण लाडू एवं विशाल खड्गासन प्रतिमाजी के पंचामृत महामस्तकाभिषेक

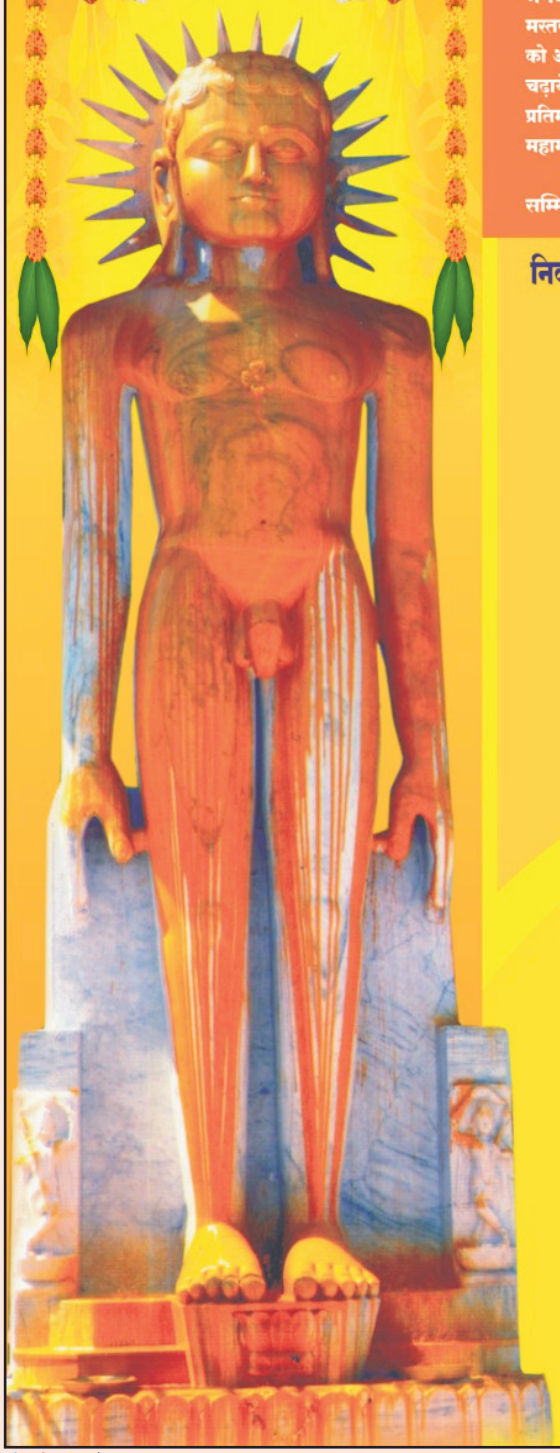

वात्सल्य आमंत्रण

मांगलिक कार्यक्रम

बुधवार, दिनांक 28 फरवरी 2024

प्रातः 7.30 बजे	:	मूलनायक भगवान पदमप्रभ जी के विशेषाभिषेक
प्रातः 8.00 बजे	:	निर्वाण पूजन
प्रातः 9.00 बजे	:	मोक्षकल्याण निर्वाण लाडू
प्रातः 10.15 बजे	:	भगवान पदमप्रभ की विशाल खड्गासन प्रतिमा जी के पंचामृत भव्य महामस्तकाभिषेक

संरक्षक : श्री रूपचन्द जी कटारिया, श्री भागचन्द जी टोंग्या,
श्री ज्ञानचन्द जी झांझरी, श्री राजेन्द्र के. शेखर, न्यायाधिपति श्री नरेन्द्र कुमार जी काला,

सुधीर कुमार जैन अध्यक्ष	नेमीचन्द गंगवाल उपाध्यक्ष	सुरेशचन्द काला उपाध्यक्ष	सुरेन्द्र जैन पाण्ड्या उपाध्यक्ष
महावीर कुमार अजमेरा उपाध्यक्ष	हेमन्त सौगानी मानद मंत्री	जितेन्द्र मोहन जैन संयुक्त मंत्री	राजकुमार कोठ्यारी कोषाध्यक्ष

पदमपुरा कार्यालय
मो. 9057903365

मंत्री कार्यालय
एच-24, चितरंजन मार्ग
सी-स्कीम, जयपुर-302001
मो. 9829064506

सदस्य :
प्रवीणचन्द कासलीवाल, महावीर प्रसाद पहाड़िया, हरीशचन्द धाड़ूका
अनिल कुमार जैन, संतोष जैन रांवका,
डॉ. ज्ञानचन्द जैन (सोगानी), डॉ. विमल कुमार जैन, सुभाष जैन पाटनी,
चौथमल भौंसा बड़जात्या, गोविन्द जैन, नगेन्द्र कुमार जैन,
प्रेमचन्द छाबड़ा, महेन्द्र कुमार अनोपड़ा, कैलाशचन्द सोगानी,
राजेश गंगवाल, राजकुमार सेठी, नरेन्द्र कुमार जैन पाण्ड्या

क्षेत्र कार्यालय
पोस्ट-पद्मपुरा (बाड़ा)
जिला-जयपुर
मो. 9057903365

प्रबन्ध समिति श्री दिगम्बर जैन अतिशय क्षेत्र पदमपुरा जयपुर (राज.)

देव-शास्त्र-गुरु का विनय करते हुए पत्रिका को पढ़कर अपने समीपस्थ जिनालय में उचित स्थान पर लगावें।

मुद्रक : राजू ग्राफिक आर्ट (संदीप शाह) जयपुर मो. 9829050791, Email : rajugraphicart@gmail.com

भगवान महावीर स्वामी के 2550 वें निर्माण महोत्सव वर्ष पर राष्ट्रीय विचार संगोष्ठी संपन्न

मनीष शास्त्री विद्यार्थी. शाबाश इंडिया

सागर। जैन मिलन शाहगढ़, क्षेत्र क्रमांक 10 के तत्वावधान में तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामी के 2550 वें निर्माण महोत्सव वर्ष के अवसर पर एवं पंचकल्याणक महामहोत्सव के पवन अवसर पर परम पूज्य गणाचार्य 108 विराग सागर जी महाराज ससंघ,उपाध्यक्ष श्री विरंजन सागर जी संसघ सान्निध्य में पारस विहार कॉलोनी शाहगढ़ में तीर्थंकर महावीर और उनके संदेश विषय पर राष्ट्रीय विचार संगोष्ठी का आयोजन किया गया। तीर्थंकर महावीर स्वामी एवं उनके द्वारा दिए गए संदेशों विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता डॉ नारायण दास जी फोजदार भगवां ने की, मुख्य अतिथि सुनील जैन पूर्व विधायक , इंजी. महेश जैन एसडीओ ढलए राष्ट्रीय संयोजक जैन मिलन विशिष्ट अतिथि महेंद्र जैन भूसा वण्डा , डॉ पवन जैन डॉ महेश जैन सागर, प्रमोद जैन गट्टू बड़ामलहरा, डॉ.जिनेंद्र जैन सागर,डॉ आशीष आचार्य सागर मंचासीन रहे। महावीर वंदना, श्रीमती रचना सेठ स्वागत गीत महिला जैन मिलन की सदस्यों ने मंगलाचरण श्रीमती ज्योति जैन बड़ा मलहरा ने प्रस्तुत किया। मंचासीन अतिथियों द्वारा दीपप्रज्जलन कर कार्यक्रम को विधिवत प्रारंभ किया गया। अतिथियों का सम्मान जैन मिलन पदाधिकारी द्वारा माला अंग वस्त्र, स्मृति चिन्ह द्वारा किए गए । जैन मिलन शाखा दलपतपुर, वरायठा, बक्सवाहा, बड़ामलहरा के सदस्यों का भी सम्मान एवं सभी सदस्यों को किट प्रदान की गई। तीर्थंकर महावीर स्वामी और उनके संदेश विषय पर महिला जैन मिलन वरायठा की अध्यक्ष श्रीमती अर्चना जैन व्याख्याता ने भगवान महावीर के संदेश जियो और जीने एवं महाव्रतो पर विस्तार पूर्वक अपनी बात रखी। बड़ामलहरा से श्रीमती मालती जैन व्याख्याता उन्होंने भगवान महावीर स्वामी का निर्माण वर्ष हम सभी कैसे और क्यों मनाएंगे पर क्या उपयोगिता है ,पर अपनी बात रखी। प्रमोद जैन गट्टू क्षेत्रीय संयोजक ने जैन मिलन द्वारा भारतवर्ष में भगवान महावीर स्वामी का निर्माण महोत्सव वर्ष बड़े ही धूमधाम से मनाया जा रहा हैं इस उपलक्ष्य में अनेक आयोजन हो रहे हैं, भगवान महावीर के शासनकाल चल रहा है और हम सभी का कर्तव्य है कि हमें उनके संदेशों को जनजन तक पहुंचाने का कार्य सक्रियता से करना चाहिए। मुख्य अतिथि सुनील जैन पूर्व विधायक ने कहा आज भारत को ही नहीं विश्व को अहिंसा की जरूरत है, भगवान महावीर का जियो और जीने दो विश्व को शांति की दिशा पर ले जा सकता है और हम सभी को इसकी आवश्यकता है। इंजी. महेश जैन ने कहा कि भगवान महावीर का संदेश अहिंसा परमो धर्मः सभी मानव कल्याण का संदेश हैं, इसको सभी को अमल करना चाहिए। डॉ आशीष आचार्य ने कहा भगवान महावीर निर्माण महोत्सव वर्ष के अवसर पर हमें उनके नाम पर कीर्ति स्तंभ ,अहिंसा मार्ग , तीर्थंकर महावीर कॉलोनी या उनके नाम से स्कूल या कॉलेज की स्थापना करनी चाहिए जिससे जैन धर्म की प्रभावना हो। श्रीमती रजनी जैन बड़ा मलहरा उन्होंने भगवान महावीर के संदेशों को जन-जन तक कैसे पहुंचाएं इसके उपाय बताएं। कार्यक्रम का संचालन द्वय संयोजक डॉ अशोक जैन एवं मनीष शास्त्री विद्यार्थी ने किया एवं अभार श्रीमती नेहा जैन ने माना।

भवन, हॉल एवं तीन मंजिला संतभवन के निर्माण कार्य का हुआ भव्य शुभारंभ

आगरा. शाबाश इंडिया। आगरा के हरीपर्वत स्थित श्री शांतिनाथ दिगंबर जैन मंदिर के एमडी जैन इंटर कॉलेज परिसर के बाल मंदिर की जगह नए विशाल भवन हॉल एवं तीन मंजिला संतभवन के निर्माण कार्य का एवं बाल मंदिर के निष्ठापण कार्य का भव्य शुभारंभ श्री दिगंबर जैन शिक्षा समिति के तत्वाधान में किया गया। इस निर्माण कार्य का भव्य शुभारंभ सुबह शांतिनाथ भगवान के समक्ष श्रीफल भेंट कर एवं पूजा विधि विधान द्वारा प्रदीप जैन (पीएनएसी) बिमलेश जैन (मार्संस) अशोक जैन (धागेवाले संतावास),डॉ जितेन्द्र जैन के विशेष सहयोग के साथ संपन्न हुआ। इस कड़ी में आज से बाल मंदिर के निष्ठापण के कार्य से शुरूआत की गई। इस शुभ अवसर पर आज सभी उपस्थित जन बहुत ही उत्साहित थे एवं समाज के हर घर से अपील की, कि इस सुंदर कार्य हेतु सभी समाज जन हिस्सा ले एवं अपना सहयोग देकर इस पुरानी धरोहर के जीर्णोद्धार में सहभागी बने। इस अवसर पर श्री दिगंबर जैन शिक्षा समिति के अध्यक्ष प्रदीप जैन उपाध्यक्ष बिमलेश जैन (मार्सन्स),अशोक जैन (धागे वाले, संतावास) कमल गोधा उपाध्यक्ष महामंत्री जितेंद्र जैन, कॉलेज प्रबंधक अखिल बरोलिया, अर्थमंत्री पुष्पेंद्र जैन पथिक, निर्मल जैन मोठ्या,आगरा दिगंबर जैन परिषद के अध्यक्ष जगदीशप्रसाद जैन, दिलीप जैन उत्तम कोल्ड, पारस बाबू जैन उप मंत्री,राकेश जैन पार्षद,निर्माण मंत्री अमित जैन सेठी,रूपेश जैन,निर्मल कुमार , अक्षय जैन, गोपीचंद जैन,सुबोध जैन,रमेश जैन, अनंत जैन, मनीष जैन, प्रमेन्द्र जैन, सौरभ शास्त्री,सतीश जैन,राजेन्द्र जैन,पारस जैन,मनोज जैन कैनवास, सुशील जैन, यशपाल जैन, सुभाष जैन, अविनाश जैन,पवन जैन,संजीव जैन चोखो जीमण,शिवकुमार जैन, अलकेश जैन, धर्मेंद्र जैन, अंकेश जैन, शुभम जैन, आदि आगरा सकल जैन समाज के लोग उपस्थित रहे।

आपके विचार

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक राकेश जैन गोदिका द्वारा प्रकाशित दैनिक-ईपेपर 'शाबाश इंडिया' आम पाठक और समाज में जागरूकता फैलाने में सेतू का काम कर रहा है। आप अपने क्षेत्र के समाचार, आलेख, विचार आदि ई-मेल कर सकते हैं या निम्न नंबरों पर वाट्सअप कर सकते हैं।

सम्पादकः राकेश जैन गोदिका
@ 94140 78380, 92140 78380

दैनिक ई-पेपर
शाबाश इंडिया
shabaasindia@gmail.com
weeklyshabaas@gmail.com

विवेक विहार जैन मंदिर में विनयांजलि सभा

जयपुर. शाबाश इंडिया

श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर विवेक विहार में संत शिरोमणि आचार्य 108 विद्यासागर जी महाराज की समतापूर्वक सल्लेखना समाधि होने पर दिगंबर जैन समाज विवेक विहार द्वारा आज जैन मंदिर परिसर में विनयांजली सभा आयोजित की गई । समाज के जॉइंट सेक्रेटरी नरेश जैन मेड़ता ने बताया कि सभा में समाज की सभी महिलाएं एवं पुरुष तथा गणमान्य लोग आचार्य श्री को श्रद्धा सुमन विनियांजली अर्पित करने हेतु एकत्रित हुए। सर्वप्रथम सुभाष दीवान ने आचार्य श्री की फोटो के समक्ष दीप प्रजलित किया। संजय जैन लाडनूं ने मचं संचालन करते हुए आचार्य श्री की तपस्या एवं दिनचर्या आहारचर्या एवं उनके द्वारा दी हुई दीक्षाओं के बारे में के बारे में बताया। जॉइंट सेक्रेटरी नरेश जैन मेड़ता ने आचार्य गुरुवर विद्यासागर जी महाराज के जीवन परिचय एवं उनके द्वारा दी गई दीक्षाऔ के बारे में बताया कि आचार्य श्री केवल जैन समाज ही नहीं बल्कि सभी समाज के राष्ट्रीय संत थे ।धर्मेंद्र गंगवाल ने आचार्य श्री के साथ बिताए अपने स्मरण सुनाएं एवं उन्होंने कहां की आचार्य श्री ने इंडिया नहीं भारत बोलो का आह्वान किया था उन्होंने कहा कि हम सबको आचार्य श्री के बताए हुए मार्ग पर चलना चाहिए। रौनक बगड़ा ने बताया कि आचार्य श्री ने हथकरघा उद्योग,गौ माता के संरक्षण के संकेत, गौशालयों की स्थापना, शिक्षण संस्थानों की स्थापना के जरिए लाखों लोगों को रोजगार प्रदान करने में अहम भूमिका निभाई थी। महिला उत्थान के कार्य गरीबों के लिए कार्य एवं अनेक सामाजिक कार्यों के उत्थान के बारे में बताते थे। समाज सेक्रेटरी सुरेंद्र पाटनी ने बताया कि आचार्य श्री का संपूर्ण जीवन मे मानव कल्याण ,सामाजिक सुधार, धार्मिक सुधार , श्रमिक सुधार ,आर्थिक सुधार, राष्ट्रीय कल्याण के क्षेत्र में अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए थे यही वजह है कि आचार्य श्री का योगदान केवल जैन समाज बल्कि संपूर्ण राष्ट्रीय के लिए रहा है। श्रेयांश जैन ने कविता के माध्यम से आचार्य श्री के जीवन का गुणगान बताया। इस मौके पर महिला मंडल की अध्यक्ष सरला बगडा, सेक्रेटरी अलका पांडे, राजमती पाटनी, मैना कासलीवाल, मोनिका पाटनी, समता पाटनी, गुंजन ने आचार्य श्री के किए गए कार्य को बताया । इस दौरान णमोकार महामंत्र पाठ कर आचार्य श्री को विनियांजलि अर्पित की गई।इसके साथ उपस्थित महिलाओं और पुरुषों ने अपने जीवन को संयम नियम से बिताने का संकल्प लिया। इस मौके पर कोषाध्यक्ष पारसमल छाबड़ा, जॉइंट सेक्रेटरी दीपक सेठी, आशीष शाह, संजय पापड़ीवाल, पूर्व डीवाईएसपी शशि जैन, महेश जैन, अमित ठौलिया, पंकज रारा, नरेंद्र निखार दीपक कासलीवाल, पूर्व अध्यक्ष सुरेंद्र बुचरा, सौभामल पाटौदी, जिनेंद्र छाबड़ा, पदमचंद बड़जात्या, अनिल जैन, प्रशांत सेठी, पूर्व पार्षद मोनिका जैन, अंजना काला सहित समाज के सदस्य उपस्थित रहे।

बयाना विधायक रितु बनावत व ऋषि बंसल को पंचकल्याणक समिति ने दिया आमंत्रण

कामां. शाबाश इंडिया

पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति कामां द्वारा आयोजित भव्य पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की निमंत्रण पत्रिका बयाना विधायक रितु बनावत और उनके पति ऋषि बंसल पूर्व जिला अध्यक्ष को दिया गया तो उन्होंने सहर्ष सहमति प्रदान की। पंचकल्याण प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के महामंत्री संजय जैन बड़जात्या ने बताया कि पूछरी का लौठा मंदिर जाकर वहां उपस्थित बयाना विधायक रितु बनावत और उनके पति ऋषि बंसल को निमंत्रण पत्रिका भेंट की गई तो उन्होंने 3 मार्च को आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सिंगर विक्की डी पारेख मुम्बई की भजन सन्ध्या में उपस्थित होने की सहमति प्रदान की। पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के पदाधिकारी सुभाष चंद्र जैन, दीपक जैन सर्राफ, कुबेर इंद्र वैभव जैन शेरा एवं मुख्य संयोजक विकास जैन बड़जात्या उपस्थित रहे। ज्ञात रहे आगामी 28 फरवरी से 4 मार्च तक भव्य पंचकल्याणक महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसमें जैनाचार्य आचार्य सुनील सागर महाराज ससंघ पावन उपस्थिति रहेगी।

रोटरी सिटीजन की ई शिक्षा पहल से जुड़े 20 सरकारी स्कूल के 4000 से अधिक छात्र

जयपुर. शाबाश इंडिया। रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन के शिक्षा कार्यक्रम के तहत क्लब ने जयपुर के 20 महात्मा गांधी गवर्नमेंट स्कूल के करीब 4000 बच्चों को 6 से 10 तक के क्लासरूम कनेक्ट ऐप उपलब्ध करवाया है । जिससे बच्चे अपनी पढ़ाई सुचारू रूप घर पर भी कर सकते हैं और यह ऐप उनको 30 जून 2025 तक के लिए फ्री है यह ऐप राजस्थान बोर्ड एवं सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है। क्लब के प्रेसिडेंट राजेश गंगवाल ने बताया कि रोटरी इंडिया लिटरेसी मिशन के तहत यह कार्यक्रम डिस्ट्रिक्ट 3056 की तरफ से चलाया जा रहा है। क्लब सेक्रेटरी कमल बड़जात्या ने बताया की 20 स्कूलों में ऐप बांटने के साथ ही स्कूलों की स्थिति के बारे में भी काफी पता पड़ा इससे रोटरी क्लब जयपुर सिटीजन अपने सेवा कार्य को और भी बेहतर तरीके से कर पायेगा। क्लब ट्रेजर संजय अग्रवाल ने बताया कि इस ऐप का सारा खर्चा क्लब ने किया है यह ऐप सभी बच्चों के लिए मुफ्त दिया गया है। क्लब द्वारा सभी स्कूल में एक्सपर्टस के साथ विज़िट कर छात्र और टीचर्स को इस ऐप को इस्तेमाल करने की विधि से अवगत कराया।

महावीर कॉलेज में वार्षिकोत्सव व आर्शीवचन मनाया गया

जयपुर. शाबाश इंडिया

सी-स्कीम स्थित श्री महावीर कॉलेज में शुक्रवार दिनांक 23 फरवरी 2024 को महावीर सभागार में स्वार्षिकोत्सव व विदाई समारोह का आयोजन मस्ती और जोश के साथ किया गया। वार्षिकोत्सव की थीम "Bollywood Glitz" रखी गई जिसमे नृत्य दशार्ते हुये कॉलेज के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुती दी गयी। कार्यक्रम में विद्यार्थियों द्वारा की गयी वर्ष पर्यन्त गतिविधिया अकादमिक, गैर-शैक्षणिक कॉलेज टॉपर, रेगुलर छात्र, उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालो को पुरस्कार वितरित किये गये। कार्यक्रम का शुभारंभ महावीर दिगम्बर जैन शिक्षा परिषद के अध्यक्ष उमरावमल संघी, मंत्री सुनील बख्शी, कोषाध्यक्ष महेश काला, कॉलेज कन्वीनर सीए प्रमोद पाटनी,उपाध्यक्ष मुकुल कटारिया, संयुक्त मंत्री कमलबाबू जैन, मनीष बेद, मुकेश सोगानी, इंदु जैन, पी सी छाबड़ा, ऋषभ गोदिका एवं शिक्षा परिषद के अन्य गणमान्य सदस्यों ने दीप प्रज्वलन द्वारा किया। अध्यक्ष उमरावमल संघी ने अपने अभिभाषण से विद्यार्थियों को प्रोत्साहित किया एवं उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। कॉलेज प्राचार्य डॉ आशीष गुप्ता ने वर्षभर की कॉलेज उपलब्धियों के बारे में बताया एवं उन्हें जीवन में आगे बढ़ने की शुभकामनाएं दी। वार्षिकोत्सव के साथ ही साथ विदाई समारोह का आयोजन भी किया गया। इसमें बी. कॉम पास कोर्स, बी.कॉम ओनर्स, बीबीए, बीसीए, एम कॉम (ए बी एसटी, एच आर एम, एम कॉम)के अन्तिम सत्र के छात्र / छात्राओं को विदाई दी गई। इन सभी विद्यार्थियों को श्री रतनलाल कंवरलाल पाटनी फाउंडेशन की तरफ से प्रोफेसर रमेश अरोड़ा द्वारा लिखित पुस्तक स्मृति चिन्ह के रूप में भेंट की गई। कार्यक्रम में रैंप वॉक, प्रश्न और उत्तर के माध्यम से मिस्टर ADIEU 2024 लक्ष्य रामचंदानी और मिस ADIEU 2023-24 रिंकी रूपाणी चुने गए। प्रथम उपविजेता (पुरुष) देव बिहानी (महिला) दीक्षा लालवानी द्वितीय उपविजेता (पुरुष) भरत वशिष्ठ (महिला) सिमरन रामनानी, बेस्ट वॉक (पुरुष) का पुरस्कार अभिनव जोशी, (महिला) गरिमा तहलियानी, सर्वश्रेष्ठ व्यक्तित्व (पुरुष) जसवंत सिंह , (महिला) तनीषा जोशी सर्वश्रेष्ठ पोशाक (पुरुष) का पुरस्कार असजाद फारूकी (महिला) लीपाक्षी वर्मा को दिया गया। अंत में कॉलेज कन्वीनर प्रमोद पाटनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

डा. आशीष गुप्ता, प्राचार्य

मंगल विहार कॉलोनी जैन मंदिर में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा

तपकल्याणक व वैराग्य के दृश्यों को देख श्रद्धालु हुए भाव विभोर

जयपुर. शाबाश इंडिया

गोपालपुरा बाईपास स्थित मंगल विहार कॉलोनी के श्री आदिनाथ दिगंबर जैन मंदिर में परम पूज्य 108 सर्वांगभूषण श्री चैत्यसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य में चल रहे पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महामहोत्सव के चौथे दिन शुक्रवार को तपकल्याणक धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर तपकल्याणक व वैराग्य के दृष्यों को देख वातावरण भक्तिमय हो गया। इस दौरान श्रीजी के जयकारों व भजनों की स्वर लहरियों से श्रद्धालु भक्ति के सागर में डुबकी लगाते नजर आए। महोत्सव के तहत शनिवार को ज्ञानकल्याणक की क्रियाएं होगी। प्रचार संयोजक रितेष जैन व शुभम शाह ने बताया कि ने बताया कि मंगल विहार पंचकल्याणक समिति के अध्यक्ष प्रमिला जैन व सचिव अमित गोधा ने बताया कि सुबह से ही कार्यक्रम स्थल भक्ति और आस्था की त्रिवेणी में भीगा नजर आया।महोत्सव के तहत सुबह से ही तप कल्याणक महोत्सव की क्रियाएं शुरू हो गई थी। इस दिन सुबह नित्याभिषेक पूजन,द्वाविंषतिका आषीर्वाद के बाद शांति जाप्य किया गया। इस दौरान कार्यक्रम स्थल मंत्रों की मधुर स्वर लहरियों से गूंजता रहा। इस मौके पर आचार्यश्री ने अपने मांगलिक प्रवचनों में कहा कि आज यह तपस्या का पावन दिवस होता है। तप करने से ही कर्मों की निर्जरा होती है। महोत्सव के दौरान पंचकल्याणक की जो क्रियाएं होती है,वे सभी क्रियाएं हम सभी को अध्यात्म के मार्ग पर चलने का संदेष देती है। धर्म करने से जीवन में आत्मिक शांति तो मिलती है। धर्म ही मनुष्य का सच्चा साथी है,जो हम सभी के लिए मोक्ष का मार्ग प्रषस्त करती है। इसके बाद बाल क्रीडा व आहार चर्या के बाद दोपहर में राजा नाभिराय का दरबार सजाया गया।

साऊथ एशिया ट्रेवल एण्ड टूरिज्म (साटे)

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ को मिला नारी शक्ति सम्मान

प्रमुख शासन सचिव राठौड़ की प्रतिनिधि के रूप में पर्यटन विभाग कि उपनिदेशक डॉ. दीपाली ने ग्रहण किया अवार्ड

जयपुर. शाबाश इंडिया

ग्रेटर नोएडा में साउथ एशिया ट्रेवल एण्ड टूरिज्म (साटे) इंडियन ट्रेवल मार्ट के दूसरे दिन शुक्रवार को आयोजित समारोह में राजस्थान पर्यटन विभाग कि प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ को नारी शक्ति सम्मान दिया गया। गायत्री राठौड़ को यह अवार्ड राजस्थान पर्यटन को वैश्विक स्तर पर राजस्थान पर्यटन को पुनः परिभाषित करने के लिए प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है की नारी शक्ति सम्मान के लिए एक ज्यूरी थी, जिसकी अध्यक्षता पूर्व पर्यटन सचिव अरविंद सिंह ने की। राजस्थान पर्यटन विभाग कि प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ के लिए यह अवार्ड राजस्थान पर्यटन विभाग, नई दिल्ली में पदस्थ उपनिदेशक डॉ. दीपाली ने ग्रहण किया। साउथ एशिया ट्रेवल एण्ड टूरिज्म (साटे) 22 फरवरी को शुरू हुआ था जो कि 24 फरवरी तक चलेगा। साटे का यह 31वां संस्करण है। अवार्ड का यह छठां एडिशन है। इस ट्रेवल मार्ट में 50 से अधिक देशों के बायर्स भाग ले रहे हैं। 1400 से अधिक एग्जिबिटर्स व 1000 से अधिक अति महत्वपूर्ण प्रतिनिधि इसमें भाग ले रहे हैं। देश के सभी राज्यों के पर्यटन प्रतिनिधि इस ट्रेवल मार्ट में शामिल हैं, साटे में राजस्थान पर्यटन वर्ष - 2016 से भागीदारी कर रहा है।

श्री पदम प्रभु भगवान पर महामस्तकाभिषेक हुआ

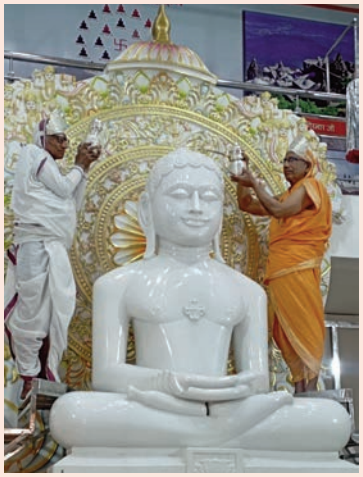

प्रकाश पाटनी. शाबाश इंडिया

भीलवाड़ा। बापू नगर स्थित श्री पदम प्रभु दिगंबर जैन मंदिर में चतुर्दशी के पावन दिवस पर बड़े बाबा मूलनायक श्री पदम प्रभु भगवान पर महामस्तकाभिषेक हुआ। प्रातः सभी प्रतिमाओं पर अभिषेक के बाद चांदमल जैन एवं राजकुमार शाह परिवार ने पदम प्रभु भगवान पर, लक्ष्मीकांत जैन ने श्री आदिनाथ भगवान पर, गोवर्धन अग्रवाल ने मुनिसुव्रतनाथ भगवान पर शांतिधारा की। अन्य प्रतिमाओं पर भी श्रावको द्वारा शांतिधारा की गई। इस उपरांत पूजा अर्चना कर अर्घ समर्पण किये। सायंकाल श्रीजी की आरती एवं 48 दीपों से भक्तामर की महाआरती की गई। इस अवसर पर कई श्रावक- श्राविकाएं उपस्थित थी ।

सिंधी समाज के दर्जनों संगठनों ने किया विधानसभा अध्यक्ष देवनानी का नागरिक अभिनंदन

जयपुर. शाबाश इंडिया

विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज पुरूषार्थी समाज है। सिन्धी समाज सदैव देश सेवा में तत्पर रहा है। देशहित में काम करने में समाज का बड़ा योगदान है। सिंधी समाज के दर्जनों संगठनों ने शुक्रवार को अजमेर में विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का नागरिक अभिनंदन किया। हंस पैराडाइज समारोह स्थल पर आयोजित कार्यक्रम में देवनानी ने कहा कि सिन्धी समाज देश के निर्माण के लिए किए जा रहे प्रयासों में कन्धे से कन्धा मिला कर काम कर रहा है। देश के लिए हम आजादी से पहले और उसके बाद भी हमेशा खड़े रहे। यह जज्बा समाज में सदैव बरकरार रहेगा। उन्होंने कहा कि सिन्धी समाज मेहनती, कर्मशील व परोपकारी समाज है। समाज की सदैव भावना रही कि सभी को साथ लेकर चलें और सभी का विकास हो। हमारी यह भावना हमारे काम और सरकारी स्तर पर किए जा रहे प्रयासों में भी झलकती है। कार्यक्रम में घनश्याम ठारवानी ने बताया कि पूज्य बहराना साहब की ज्योत संत मेठाराम दरबार के भगत लालचंद, प्रेम प्रकाश आश्रम के संत रामप्रकाश व अयोध्या से पधारे संत मंडल द्वारा स्वागत किया गया। पार्षद रमेश चेलानी, दीपेंद्र लालवानी, मनोज मामनानी आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक हरीश गिदवानी, घनश्याम भगत, गोविंद खटवानी, मनोहर मोटवानी, रमेश चेलानी,सुभाष टहलयानी रहे। कार्यक्रम में दूरदर्शन आकाशवाणी कलाकार घनश्याम भगत द्वारा सिंधी लोकगीतों की प्रस्तुति दी गई। अजमेर शहर की सामाजिक, धार्मिक, सांस्कृतिक संस्थाओं, सिंधी संगीत समिति रजि., सेवा ही कर्म जन सेवा समिति, सिंधी साहित्य व कल्चर सोसायटी, सिंधी बोली विकास परिषद, पूज्य सिंधी पंचायत पंचशील, आदर्श नगर सिंधी पंचायत, झूलेलाल सेवा मंडली वैशाली नगर, सिंधी युवा संगठन, सिंधी युवा संघ अजमेर, भोलेश्वर मंदिर सेवा समिति, झूलेलाल धाम दिल्ली गेट, महिला जागृति मंच पंचशील, सिंधु संगम संस्था, पुष्कर होटल एसोसिएशन, सेवानी चैरिटेबल ट्रस्ट, सिंधी सद्भावना समिति, एफ ब्लॉक सिंधु समिति विकास समिति चंद्रवरदाई नगर आदि संस्थानों द्वारा देवनानी का शॉल माला, साफा पहनाकर अभिनंदन किया गया।

आचार्य सुनील सागर महाराज का सानिध्य में

श्रीमज्जिनेन्द्र शांतिनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ का कामां में होगा 28 फरवरी से

भट्टारक जी की नसियां में हुआ पोस्टर विमोचन

जयपुर. शाबाश इंडिया। श्री मज्जिनेन्द्र शांतिनाथ पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव व विश्व शांति महायज्ञ आचार्य श्री सुनील सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में गणिनी आर्यिकारत्न विजयमती की प्रेरणा से आगामी 28 फरवरी से 4 मार्च तक हस्तिना नगरी कांमां के कामसेन स्टेडियम में आयोजित होगा।आयोजन की तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही है। इस सम्बंध में शुक्रवार को जयपुर के भट्टारक जी की नसियां में संवाददाता सम्मेलन में आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव समिति के अध्यक्ष गजेन्द्र बड़जात्या व महामंत्री संजय बड़जात्या ने बताया कि इस दौरान जीर्णोद्धारित चक्रवर्ती देवाधिदेव 1008 श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन दीवानजी व गुरु मंदिर का भव्यतम उद्घाटन भी होगा। भगवान के माता-पिता बनने का सौभाग्य वीरचंद्र-ऊषा बड़जात्या व सौधर्म-शचि इन्द्र बनने का सौभाग्य रिकेश-दीपा बड़जात्या को प्राप्त हुआ है। महोत्सव की सारी क्रियाएं उदयपुर के पंडित महावीर डोंगला व सह प्रतिष्ठाचार्य प्रतापगढ़ के ब्र.विनय भैया,जयपुर के डॉ.सनत जैन व सागर के संजय भैया सम्पन्न करवाएंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव का शुभारंभ 28 फरवरी को गर्भकल्याण्क पूर्वाद्ध की क्रियाओं से होगा। इस मौके पर पूजन,घटयात्रा के बाद महाध्वज स्थापना के रूप में ध्वजारोहण बाबा ज्ञानचंद,अशोक-मधु जैन,राकेश-दया जैन(आगोन वाले) फिरोजपुर झिरका करेंगे। इसके बाद हस्तिनानगरी के रूप में बनाई गई पांडाल का उद्घाटन समाजश्रेष्ठी सुभाष-पुष्पा,राजेन्द्र- कविता, विनोद- सोनिया, सचिन- कल्पना, दीपक-दीपिका बिजली वाले कामां निवासी करेंगे। इसके बाद आचार्यश्री के मांगलिक प्रवचन के बाद मुख्य कलश की स्थापना दुलीचंद,शीतल कुमार,सोनू बैनाडा कामां वाले करेंगे। इस मौके पर चित्र अनवारण दिनेशचंद,नवीन कुमार जैन ठेकेदार कामां,दीप प्रज्जवलन रेवतीलाल,अनिल कुमार,नितिन,दिव्यांश जैन लहसिरया कामां करेंगे। उन्होंने बताया कि दोपहर में यागमंडल,जाप्यादि के कलशों की स्थापना,पूजा,कुमारिका द्वारा जल लाला के बाद रात्रि में गर्भकल्याणक के पूर्व दृश्य,सौधर्म इन्द्र की सभा,तीर्थंकर माता के 16 स्वप्न आदि क्रियाएं दिखाई जाएगी। महोत्सव के मुख्य संयोजक विकास बड़जात्या ने बताया कि महोत्सव के दूसरे दिन 29फरवरी को गर्भ कल्याणक उत्तरार्ध की क्रियाएं की जाएगी। सांस्कृतिक कार्यक्रम के तहत मैजिक मिस्टिशया की विशेष प्रस्तुति केरल के मैजिशियन विलशन देंगे। उन्होंने बताया कि महोत्सव के तहत 1मार्च को जन्म कल्याण्क महोत्सव मनाया जाएगा।जिसके तहत इस दिन जन्मकल्याणक की शोभायात्रा निकाली जाएगी। इस अवसर पर हेलीकॉप्टर से प्रथम पुष्पवृष्टि समाजश्रेष्ठी परमानंद,मुकेश कुमार,विशाल कुमार, बबली, मनिक जैन कामा करेंगे। पांडुकशिला पर श्रीजी का जलाभिषेक , सांस्कृतिक कार्यक्रमों की रोचक प्रस्तुति दी जाएगी। महोत्सव के संयोजक प्रवीण बड़जात्या ने बताया कि महोत्सव के तहत 2 मार्च को तप कल्याणक मनाया जाएगा,जिसके तहत शाम को विक्की डी पारेख ज्येष्ठ पुत्र का राज्याभिषेक का मंचन होगा। महोत्सव के तहत 3 मार्च को सुबह ज्ञान कल्याणक मनाया जाएगा। रात्रि में कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा। महोत्सव के अंतिम दिन मोक्ष कल्याणक के तहत सुबह ज्ञानकल्याण्क पूजा, विश्वशांति महायज्ञ,श्रीमंडप से मंदिर तक शोभायात्रा,जिनालय पट्टादघाटन, श्रीजी को वेदियों में विराजमान कर शिखर पर नवीन ध्वज की स्थापना की जाएगा।उन्होंने बताया कि इसके बाद गुरु मंदिर उद्घाटन,गुरू बिम्ब स्थापना,गुरु शिखर पर कलशारोहण,प्रतिष्ठा ध्वर अवरोहण व क्षमायाचना के साथ महोत्सव का समापन होगा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि भट्टारक जी की नसियां में संवाददाता सम्मेलन में पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव की बहुरंगीय पत्रिका का विमोचन किया गया। इस मौके पर कमल बाबू जैन, प्रदीप जैन, उदयभान जैन, पदम बिलाला, मनीष बैद, राकेश गोदिका, चेतन जैन निमोडिया, सचिन जैन कामां, प्रवीण बडजात्या, विकास बडजात्या सहित बडी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए । महोत्सव में जयपुर से विशेष बसों द्वारा हजारों जैन बन्धु शामिल होंगे ।

नेमीसागर कालोनी में हुआ भक्तामर पाठ आयोजित

जयपुर. शाबाश इंडिया

दिगम्बर जैन आचार्य श्री विद्या सागर जी महामुनिराज की पुण्य स्मृति में नेमीसागर दिगम्बर जैन मन्दिर में 48 दीपको से ऋद्धि मंत्रो के साथ भक्तामर पाठ किया जाकर विनयांजलि प्रस्तुत की गई। भक्तामर पाठ के साथ गुरुदेव आचार्य विद्यासागर महाराज के भजन गायन भी किया गया। भक्तामर पाठ के पुण्यार्जक अनिल जैन धुआं वाले एवं परिवार थे। इस अवसर पर समाज के गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। श्री नेमीनाथ दिगम्बर जैन समाज समिति के अध्यक्ष जे के जैन कालाडेरा ने बताया कि इस अवसर पर संजीव कासलीवाल, अर्चना निगोतिया, प्रेमलता जैन, बीना जैन, पिंकी कासलीवाल आदि ने भजन प्रस्तुत कर आचार्य श्री विद्यासागर महाराज का गुणानुवाद किया तथा समाज बंधुओ द्वारा विद्यासागर महाराज की महाआरती की गई।

उदयपुर रीजन के कलाकारों की चार दिवसीय कला प्रदर्शनी मुंबई में शुरू

उदयपुर. शाबाश इंडिया। अवध आर्ट ग्रुप एवं इंस्पिरिट आर्ट गैलरी के साझे संयोजन से इंडिया आर्ट मीट नेहरू आर्ट सेंटर, वर्ली मुम्बई में आयोजित हुआ। जिसका उद्घघाटन गुरुवार को केबिनेट मिनिस्टर राजेश वी. क्षीरसागर ने किया। इस मौके पर आयोजक अर्का प्रधान, क्यूरेटर सुषमा सबनीस, ऋतु गोयल, राशि पालीवाल, कामिनी जोहर, रोशनी कुमारी सहित देश के जाने माने कलाकार और जे जे स्कूल ऑफ आर्ट से डीन प्रो. विश्वनाथ साबले, राजेन्द्र पाटिल, अनंत निकम, औरा आर्ट फाउंडर ऋषिराज शेट्टी, ताओ आर्ट गैलरी से कल्पना शाह, कौंसिल जनरल ऑफ जापान के डॉ. यसुकेट फुखोरी, डेप्युटी कौंसिल जनरल ऑफ ऑस्ट्रेलिया के क्रिस्टीन जेक, नगमा से श्रुति दास, कैमलिन से अदिति धनेकर, फिल्म मेकर राहुल मित्रा आदि मौजूद रहे। उदयपुर की इंस्पिरिट आर्ट गैलरी क्यूरेटर डॉ. मनीषा सांचिहर ने बताया कि मुम्बई में आयोजित इण्डिया आर्ट मीट में शामिल प्रत्येक कलाकार के आर्ट वर्क को रीजन के हिसाब से स्पेस दिया है। जिसमे राजस्थान संभाग में उदयपुर से डॉ. निर्मल यादव,जगदीश नंदवाना, स्नेहिल बाबेल, कनिशा मेहता, संचियता यादव, बांसवाड़ा से तस्लीम जमाल, रणथम्भौर से विजय कुमावत, पुणे से अमित गांधी और यू के से मिशेल फाइन द्वारा सृजित 45 आर्ट वर्क प्रदर्शित किए गए हैं। डॉ.संचिहर ने बताया कि इसमें देश के जाने माने कलाकार हनुमंत कामले, अनंत निकम , प्रगति दलवी जैन, श्रुति दस, जिग्नेश दशर, पूजा गियनानी, शार्दूल कदम, नीलिशा पहाड, राजा मोहते, ऋषिराज सेठी,अरुण मर्कर्स द्वारा आर्ट टॉक और डेमोंस्ट्रेशन 4 दिन तक 22 से 25 फरवरी तक रोज दिए जाएंगे। **रिपोर्ट/फोटो: योवंतराज माहेश्वरी**